BIRLA PUBLIC SCHOOL GANGANAGAR

(A UNIT OF BIRLA EDUCATION TRUST PILANI)

CBSE AFFILIATION NO. 1730974

संस्कृत सुभाषित

प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः।
तस्मात् तदेव वक्तव्यं वचने का दरिद्रता।।

अर्थ- प्रिय वचन बोलने से सभी जीव प्रसन्न हो जाते हैं। मधुर वचन बोलने से पराया भी अपना हो जाता है। अतः प्रिय वचन बोलने में कंजूसी नहीं करनी चाहिए।

Class-
VI,VII,VII
13 August 21

श्लोक वाचन

Via Microsoft Teams

BIRLA PUBLIC SCHOOL GANGANAGAR
(A UNIT OF BIRLA EDUCATION TRUST PILANI)

CBSE AFFILIATION NO. 1730974

संस्कृतमेव भारतीय संस्कृतिः एतस्मिन किञ्चिदपि सन्देहं नास्ति।

संस्कृत केवल एक मात्र भाषा नहीं है अपितु संस्कृत एक विचार है, संस्कृति है, एक संस्कार है। इस भाषा में विश्व का कल्याण है, शांति है, सहयोग है, **"वसुधैव कुटुम्बकम्"** की भावना है।

प्रिय विद्यार्थियों,

संस्कृत एक प्राचीन भाषा है। इसमें ज्ञान के असीम भण्डार हैं। संस्कृत में हमारी सांस्कृतिक विरासत समाहित है। नैतिक व राष्ट्रीय मूल्य संस्कृत में विद्यमान हैं। अतएव छात्रों में मूल्य एवं सांस्कृतिक शिक्षा के लिए संस्कृत का ज्ञान आवश्यक है| यह दुनिया की सबसे पुरानी उल्लिखित भाषाओं में से एक है। बिरला पब्लिक स्कूल गंगानगर की कोशिश हमेशा यही रहती है कि विद्यार्थी अपने विचारों एवं भावों को बेझिझक और पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत कर पाएँ, इसलिए संस्कृत विभाग के द्वारा दिनाँक 13 अगस्त 2021 को निम्नलिखित क्रियाकलापों का आयोजन किया जा रहा है -

कक्षा - छठी से आठवीं (6-8)

क्रियाकलाप - श्लोक वाचन

प्रक्रिया - श्लोक वाचन हेतु विद्यार्थियों के लिए अधिकतम २ मिनट का समय निर्धारित किया गया है जिसमें सभी विद्यार्थी क्रम से लयबद्ध तरीके से कंठस्थ श्लोकों का सस्वर वाचन करेंगे |

Regards
BPSG